10-07-2021

शुगर इंडस्ट्री के लिए ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी का बहुत महत्व है

ऑटोमेशन से उच्च गुणवत्ता चीनी मिलती है और लासभी कम होता है

डीटीएनएन

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर मे चीनी कारखानों की उत्पादन दक्षता बढ़ाने में ऑटोमेशन के क्षेत्र मे अपनाई जाने वाली आधुनिक प्रवृतियाँ विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार का शुभारंभ डेक्कन शुगर टेक्नीलोजिस्ट एसोसिएशन, पुणे के अध्यक्ष एस एस गंगावती के द्वारा किया गया। गंगावती ने अपने सम्बोधन मे इस बात पर बल दिया कि गन्ने को उठाने, उसका रस निकालने तथा जूस के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए ऑटोमेशन (स्वतः प्रक्रिया संचालन) अत्यंत आवश्यक है। इससे शर्करा प्रसंस्करण की समूची प्रक्रिया के दौरान उच्च गुणवत्ता की चीनी प्राप्ति के साथ-साथ न्यूनतम चीनी की क्षति होती है फलतः चीनी कारखाने की उत्पादन दक्षता में सुधार होता है।

ऑटोमेशन से लागत में कमी आएगी

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक ने अपने सम्बोधन मे पूरे शर्करा प्रसंस्करण की प्रक्रिया में आरंभ से अंत तक ऑटोमेशन को अपनाए जाने पर बल दिया ताकि सकल उत्पादन लागत में कमी लायी जाय। उन्होने आधुनिक इन्सट्रूमेंटेशन और ऑटोमेशन तकनीक के विषय में बताते हुये कहा कि इससे मानव-मशीन समायोजन के द्वारा उत्पादन को बल मिलता है और उत्पादन प्रक्रिया में मशीनों पर मानवीय हस्तक्षेप मे कमी आती है जिससे मानव और मशीन दोनों की क्षमताओं का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो पाता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का यूज करें

कार्यक्रम के संयोजक और संस्थान के वरिष्ठ यांत्रिक अभियंता वीरेंद्र कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की साथ ही उन्होने कृत्रिम बुद्धिमता एवं नियंत्रित तार्किक समायोजन आदि को उदाहरण के साथ प्रस्तुत करते हुये इनके द्वारा किसी भी संयंत्र की दक्षता में सुधार की बात की। डी सी एम श्रीराम लिमिटेड के अतिरिक्त महाप्रबंधक (अभियांत्रिकी) अतुल कुमार श्रीवास्तव ने संयंत्र के ऑटोमेशन के द्वारा प्रक्रिया के नियंत्रण और निगरानी मे कृत्रिम बुद्धिमता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और बिग डाटा आदि के उपयोग पर अपने विचार रखे। उन्होने विभिन्न ऊर्जा की खपत के बिन्दुओं पर कंडीशन मॉनिटरिंग व्यवस्था तथा बुद्धिमतापूर्ण ऊर्जा नियंत्रण व्यवस्था को स्थापित किए जाने पर बल दिया।

क्रिस्टलीकरण पर ध्यान दे

आई पी आर ओ के प्रबंध निदेशक हरजीत सिंह ने चर्निवांत पैन में चीनी का क्रिस्टलीकरणज विषय पर एक नवीन विकसित प्रणाली के अपनाए जाने पर अपना विचार प्रस्तुत किया। इसके द्वारा न केवल ऊर्जा खपत को संतुलित करने, संयंत्र की क्षमता के समुचित उपयोग तथा जल के खपत कि नियंत्रित करने में मदद मिलती है अपितु उत्पाद की गुणवत्ता को भी सुधारा जा सकता है।

स्मार्ट टेक्नोलॉजी का प्रयोग करें

इमर्शन इंडिया लिमिटेड के परियोजना विपणन प्रबन्धक सुभी गोयल ने विभिन्न विश्लेषणात्मक और प्रवाह मापन यंत्रों के विषय में बताया तथा इस बात पर बल दिया कि हमे उत्पादन इकाइयों को स्मार्ट और आधुनिक बनाने के लिए डिजिटल परिवर्तन की ओर कदम बढ़ाने चाहिए। इस कार्यक्रम का संयोजन ब्रजेश सिंह, तकनीकी अधिकारी (उपकरण अभियांत्रिकी) के द्वारा किया

ऑटोमेशन से बढ़ेगी चीनी मिलों की क्षमता-दक्षता

कानपुर (एसएनबी)। विभिन्न कार्यो के ऑटोमेशन से चीनी मिलों की क्षमता व दक्षता बढ़ेगी। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के तत्वावधान में शुक्रवार को 'चीनी कारखानों की उत्पादन दक्षता बढ़ाने में ऑटोमेशन के क्षेत्र में अपनाई जाने वाली आधुनिक प्रवृतियां' विषयक वेबिनार में चीनी मिलों के ऑटोमेशन पर जोर दिया गया। इसे चीनी मिलों की क्षमता व दक्षता वृद्धि के लिए जरूरी बताया गया।

निदेशक प्रोफेसर नरेन्द्र मोहन व एसएस गंगावती।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने किया 'चीनी मिलों के ऑटोमेशन' पर वेबिनार

वेबिनार का उद्घाटन डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन, पुणे के अध्यक्ष एसएस गंगावती ने किया व ऑटोमेशन पर विस्तार से जानकारी दी। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने कहा कि ऑटोमेशन से सकल लागत उत्पादन लागत में कमी आयेगी। उत्पादन प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप कम होने से मानव व मशीन दोनों की क्षमताएं बढ़ने के साथ ही गुणवत्ता बेहतर होगी। कार्यक्रम के संयोजक व संस्थान के वरिष्ठ यांत्रिक अभियंता वीरेन्द्र कुमार ने कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा प्रस्तुत की।

डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के अतिरिक्त महाप्रबंधक (अभियांत्रिकी) अतुल कुमार श्रीवास्तव, आईपीआरओ के प्रबंध निदेशक हरजीत सिंह, इर्मशन इंडिया लिमिटेड के परियोजना विपणन प्रबंधक सुभी गोयल ने उत्पादन इकाईयों को स्मार्ट व आधुनिक बनाने के लिए डिजिटल परिवर्तन की ओर कदम बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम का संयोजन तकनीकी अधिकारी ब्रजेश सिंह ने किया।

शर्करा प्रसंस्करण में अपनाया जाये ऑटोमेशन

वेबिनार में जानकारी देते विशेषज्ञ।

कानपुर, 9 जुलाई। पूरे शर्करा प्रसंस्करण की प्रक्रिया में शुरू से अंत तक ऑटोमेशन को अपनाया जाना चाहिए। जिससे सकल उत्पादन लागत में कमी लायी जा सकती है। यह जानकारी राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने एक वेबिनार में दी। उन्होंने आधुनिक इन्सट्रमेंटेशन और ऑटोमेशन तकनीक के विषय में बताते हुए कहा कि इससे मावन-मशीन समायोजन के द्वारा उत्पादन को बल मिलता है। कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ अभियंता वीरेन्द्र कुमार ने कृत्रिम बुद्धिमता एवं नियंत्रित तार्किक समायोजन आदि को उदाहरण के साथ प्रस्तुत करते हुए इनके द्वारा किसी भी संयत्र की दक्षता में सुधार की बात कीं। इससे पहले वेबिनार का शुभारम्भ शुगर टेक्नोलोजिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष एसएस गंगावती ने किया। श्री गंगावती ने बताया कि गन्ने को उठाने, उसका रस निकालने तथा जूस के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिये ऑटोमेशन अत्यंत आवश्यक है। डीसीएम श्री राम लिमिटेड के अतिरिक्त महाप्रबंधक अतुल कुमार श्रीवास्तव ने संयंत्र के ऑटोमेशन के द्वारा प्रक्रिया के नियंत्रण और निगरानी में कृत्रिम बुद्धिमता और बिग डाटा आदि के उपयोग पर अपने विचार रखे। आईपीआरओ के प्रंबध निदेशक हरजीत सिंह ने निर्वात पैन में चीनी क्रिस्टलीकरण विषय पर एक नवीन विकसित प्रणाली के अपनाये जाने पर अपना विचार प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम का संयोजन तकनीकी अधिकारी ब्रजेश सिंह ने किया।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से बढ़ेगी उत्पादकता

जासं, कानपुर : राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की ओर से शुक्रवार को चीनी मिलों की उत्पादन दक्षता बढ़ाने में आटोमेशन के क्षेत्र में अपनाई जाने वाली आधुनिक प्रवृत्तियां विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि आटोमेशन से उत्पादन की लागत में कमी आ जाती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस युक्त मशीनों से उच्च गुणवत्ता की चीनी प्राप्त होने के साथ ही उसमें क्षति न के बराबर होती है। डेक्कन शुगर टेक्नोलाजिस्ट एसोसिएशन, पुणे के अध्यक्ष एसएस गंगावती ने कहा कि आटोमेशन में गन्ने की उठान, रस निकलने, जूस के प्रवाह को नियंत्रित करने के साथ ही पूरा प्रक्रिया शामिल है। वरिष्ठ यांत्रिक अभियंता वीरेंद्र कुमार ने कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की। प्रबंध निदेशक हरजीत सिंह ने चीनी के क्रिस्टलीकरण पर नई प्रणाली की जानकारी दी।

NSI webinar discusses modern trends in automation

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

National Sugar Institute Director Prof Narendra Mohan, while addressing a webinar on 'Modern trends in automation to enhance efficiency of sugar factories' on Friday, advocated end to end automation to reduce the overall cost of production.

He also expressed his views on use of modern instrumentation and automation techniques for increasing the man-machine interaction and reducing the man-machine interventions so that the efficiency of the man and machine may be utilised to the maximum possible extents.

Addressing the webinar, president of Deccan Sugar Technologist Association, Pune, SS Gangawati, emphasised on automation specifically in the areas of cane handling, juice extraction and juice flow stabilisation. He said control of juice flow was essential to derive better efficiency throughout the process resulting in better quality of sugar with minimum losses during processing.

Senior instrument engineer and convener of the webinar, Virendra Kumar, outlined the programme and cited examples and emphasised upon the use of artificial intelligence and fuzzy logic for enhancing the efficiency of the plant.

Additional general manager (engineering) at DCM Shri Ram Ltd, Atul Kumar Srivastava, presented his views on technologies being considered for plant automation such as artificial intelligence, fuzzy logic and big data for the precise control and monitoring. He also emphasised on condition monitoring systems at various points and intelligent energy monitoring systems to be placed at various consumption points.

Managing director of IPRO India, Harjeet Singh Bola, while speaking on 'sugar crystallization in vacuum pans', presented details of an innovative system by adaptation of which besides optimisation of energy consumption, capacity utilisation and use of water, quality of the product may also be improved.

Project marketing manager at Emerson India Ltd., Subhi Goel, discussed various analytical and flow measuring instruments and focused upon adopting technologies leading to digital transformation of the plants to modern and smart plants.

NSI Kanpur conducts webinar on the topic "Modern Trends in Automation to Enhance Efficiency of Sugar Factories"

National Sugar Institute, Kanpur conducted a webinar on the topic "Modern Trends in Automation to Enhance Efficiency of Sugar Factories" on 09 July 2021. The webinar was inaugurated by S.S. Gangawati, President, Deccan Sugar Technologist Association, Pune. S.S. Gangawati in his address emphasised for automation specifically in the areas of cane handling, juice extraction and juice flow stabilization. In his introductory remarks Director, National Sugar Institute, Kanpur advocated end to end automation to reduce the overall cost of production. Virendra Kumar, Senior Instrument Engineer and Convenor of the webinar outlined the programme and citing examples emphasised upon the use of artificial intelligence and fuzzy logic for enhancing the efficiency of the plant. Atul Kumar Srivastava, Addl. General Manager (Engineering), DCM Shri Ram Ltd., Harjeet Singh Bola, Managing Director, IPRO India, Subhi Goel, Project Marketing manager, Emersion India Ltd. also expressed their thoughts in the webinar. The programme was conducted by Brajesh Singh, Technical Officer (Instrument Engineering).